खण्ड-400, अंक-1
सोमवार, 1 माघ, शक संवत् 1912
(21 जनवरी, 1991 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(दसवीं विधान सभा, प्रथम सत्र 1991)

खण्ड 400 में 10 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:

निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)

1991

मूल्य : बिना महसूल 25 पैसे, महसूल सहित 31 पैसे |

वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 10 रुपये, महसूल सहित 12 रुपये |

विषय सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
विधान सभा के सदस्य, राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल	ग–ट
उपस्थित सदस्य.....	ड
श्री राज्यपाल के अभिभाषण का श्री अध्यक्ष द्वारा आंशिक पाठ	1
उत्तर प्रदेश सिविल विधि (संशोधन) अध्यादेश, 1990 (सदन के पटल पर रखा गया)	10
भूमि अर्जन (उत्तर प्रदेश संशोधन और विधि मान्य करण) अध्यादेश, 1990 (सदन के पटल पर रखा गया)	11
उत्तर प्रदेश सहकारी समिति (संशोधन) अध्यादेश, 1990 (सदन के पटल पर रखा गया)	11
उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी समिति (अल्पकालिक व्यवस्था) (संशोधन) अध्यादेश, 1990 (सदन के पटल पर रखा गया)	11
उत्तर प्रदेश जिला परिषद् (अल्पकालिक व्यवस्था) (तृतीय संशोधन) अध्यादेश, 1990 (सदन के पटल पर रखा गया)	11
उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) अध्यादेश, 1991 (सदन के पटल पर रखा गया)	11
उत्तर प्रदेश सरकारी वाद (अभिवक्ताओं का आवंटन) अध्यादेश, 1991 (सदन के पटल पर रखा गया)	11
उत्तर प्रदेश देशी शराब लाइसेन्स का व्यवस्थापन (टेण्डर एवं नीलामी) नियमावली (संशोधन) अध्यादेश, 1991 (सदन के पटल पर रखा गया)	11
कार्य मंत्रणा समिति द्वारा समय निर्धारण का प्रस्ताव (स्वीकृत)	11
भ्रष्टाचार निवारण (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 1991 (पुरःस्थापित)	13

प्रेमचंद अड्डा

उत्तर प्रदेश दशम् विधान सभा के सदस्यों की सूची

1–अकबर अली, श्री — जालौन
2–अकबर हुसैन बाबर, श्री — फैजाबाद
3–अकबाल हुसन उर्फ अकबाल हुसैन, श्री — गोण्डा
4–अख्तर, श्री — गाजियाबाद
5–अचल सिंह, श्री — फतेहपुर
6–अजय प्रताप सिंह, श्री — गोण्डा
7–अतर सिंह यादव, श्री — एटा
8–अतीक अहमद, श्री — इलाहाबाद
9–अनवार मोहम्मद खां, श्री — फर्रुखाबाद
10–अनिल कुमार भारद्वाज, श्री — रामपुर
11–अनिल कुमार सिंह यादव, श्री — एटा
12–अनुग्रह नारायण सिंह, श्री — इलाहाबाद
13–अफजाल अंसारी, श्री — गाजीपुर
14–अमरनाथ यादव, श्री — वाराणसी
15–अमरपाल सिंह, श्री — मेरठ
16–अमरमणि त्रिपाठी, श्री — महाराजगंज
17–अमरेश चन्द्र पाण्डेय, श्री — मऊ
18–अमीर आलम खां, श्री — मुजफ्फरनगर
19–अरविन्द कुमार, श्री — ललितपुर
20–अरिदमन सिंह, श्री — आगरा
21–अरुण, कुंवर — फैजाबाद
22–अरुण कुमार सिंह "मुन्ना", श्री — जौनपुर
23–अरुण प्रताप सिंह, श्री — प्रतापगढ़
24–अर्जुन सिंह यादव, श्री — जौनपुर
25–अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
26–अशोक कुमार, श्री — बिजनौर
27–अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
28–अशोक पाण्डेय, श्री — सुल्तानपुर
29–अशोक कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
30–अशोक कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
31–अशोक बाजपेयी, श्री — हरदोई
32–असगर, श्री — देवरिया
33–अहिबरन, श्री — शाहजहांपुर
34–इन्दल सिंह चौहान, श्री — मैनपुरी
35–इन्द्र प्रताप सिंह, श्री — बहराइच
36–इन्द्र भद्र सिंह, श्री — सुल्तानपुर
37–इन्द्रेश विक्रम, श्री — रायबरेली
38–इम्तियाज मोहम्मद खां, श्री — बुलन्दशहर
39–ईश्वर शरण विद्यार्थी, श्री — इलाहाबाद
40–उमाकान्त बाजपेयी, श्री — फतेहपुर
41–उमानाथ सिंह, श्री — जौनपुर
42–उदल, श्री — वाराणसी
43–एदल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
44–ओंकार सिंह, श्री — एटा
45–ओम प्रकाश, श्री — गोरखपुर
46–ओम प्रकाश यादव, श्री — मुरादाबाद
47–ओम प्रकाश गुप्ता, श्री — सीतापुर
48–ओम प्रकाश दिवाकर, श्री — फिरोजाबाद
49–ओम प्रकाश सिंह, श्री — गाजीपुर
50–कप्तान सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
51–कमल नयन वर्मा, श्री — रायबरेली
52–कमला साहनी, श्रीमती — सिद्धार्थनगर
53–कमाल अहमद रिजवी, श्री — खीरी
54–करन चन्द्र सिंह, श्री — नैनीताल
55–करन सिंह, श्री — मुरादाबाद
56–कल्याण सिंह, श्री — अलीगढ़
57–कल्याण सिंह दोहरे, श्री — फर्रुखाबाद
58–काजी मोहम्मद मोहिउद्दीन, श्री — हरिद्वार
59–कालीचरन, श्री — मिर्जापुर
60–काशी प्रसाद, श्री — हमीरपुर
61–काशी सिंह ऐरी, श्री — पिथौरागढ़
62–कासिम अली, श्री — देवरिया
63–किरनपाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
64–किशन गोपाल, श्री — आगरा
65–किशन सिंह तड़ागी, श्री — नैनीताल
66–किशोरी श्याम, श्री — मथुरा
67–कुंवर रेवती रमण सिंह, श्री — इलाहाबाद
68–कुंवर सिंह नेगी, श्री — चमोली
69–कृपा शंकर आर्य, श्री — देवरिया
70–कृष्ण किंकर सिंह, श्री — बस्ती
71–कृष्ण कुमार नवमान, श्री — अलीगढ़
72–कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री — बदायूं
73–केदार नाथ सिंह, श्री — गोरखपुर
74–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
75–खुर्शीद, श्री — गाजीपुर

76–गंगाभक्त सिंह, श्री	हरदोई
77–गंगाराम, श्री	बुलन्दशहर
78–गंजी प्रसाद, श्री	वाराणसी
79–गजराज सिंह, श्री	गाजियाबाद
80–गणेश दीक्षित, श्री	कानपुर
81–गनपत सिंह, श्री	महाराजगंज
82–गया प्रसाद वर्मा, श्री	इटावा
83–गुलाब सिंह, श्री	देहरादून
84–गुलाब सिंह, श्री	मिर्जापुर
85–गोपाल रामदास, श्री	अल्मोड़ा
86–गोपीनाथ वर्मा, श्री	फैजाबाद
87–गोमती यादव, श्री	आजमगढ़
88–गोवर्धन सिंह, श्री	एटा
89–गौरी देवी, श्रीमती	गोरखपुर
90–गौरी शंकर भइया, श्री	बलिया
91–चन्द्रकली वर्मा, श्रीमती	सीतापुर
92–चन्द्रपाल सिंह, श्री	मुरादाबाद
93–चन्द्रभान मौर्य, श्री	आगरा
94–चन्द्रभान सिंह, श्री	बांदा
95–चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री	बहराइच
96–चन्द्र विजय सिंह, श्री	मुरादाबाद
97–चन्द्र शेखर सिंह, श्री	वाराणसी
98–चन्द्र शेखर सिंह, श्री	बस्ती
99–चरन सिंह, श्री	मेरठ
100–चेतराम, श्री	शाहजहांपुर
101–चैनसुख भारती, श्री	जालौन
102–चौधरी शंकर सिंह, श्री	जालौन
103–छन्नू लाल शास्त्री, श्री	वाराणसी
104–छेदा लाल चौधरी, श्री	खीरी
105–छोटे लाल, श्री	खीरी
106–जगदीश चन्द्र, डा0	लखनऊ
107–जगदीश लाल, श्री	महाराजगंज
108–जगमोहन सिंह यादव, श्री	मैनपुरी
109–जगराम सिंह, श्री	मुरादाबाद
110–जगवीर सिंह, श्री	अलीगढ़
111–जनार्दन प्रसाद ओझा, श्री	महाराजगंज
112–जफर अली नकवी, श्री	खीरी
113–जमुना प्रसाद बोस, श्री	बांदा
114–जय प्रताप सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
115–जयराज गौतम, श्री	सुल्तानपुर
116–जय शंकर पाण्डेय, श्री	फैजाबाद
117–जयसिंह यादव, श्री	प्रतापगढ़
118–जसवन्त सिंह, बिष्ट, श्री	अल्मोड़ा
119–जागेश्वर, श्री	फतेहपुर
120–जी0 एस0 विनोद, डा0	मुजफ्फरनगर
121–जौहरी लाल त्रिवेदी, श्री	कानपुर
122–ज्ञानेन्द्र स्वरूप, श्री	मथुरा
123–ज्वाला प्रसाद यादव, श्री	जौनपुर
124–झग्गड़ सिंह, श्री	मेरठ
125–तीरथराज, श्री	सोनभद्र
126–तेजपाल, श्री	बिजनौर
127–दयाराम भाष्कर, श्री	आजमगढ़
128–दयाशंकर, श्री	वाराणसी
129–दशरथ सिंह, श्री	गोण्डा
130–दिनेश जौहरी, डा0	बरेली
131–दिवाकर विक्रम सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
132–दीपचन्द्र सोनकर, श्री	जौनपुर
133–दीपनारायन, श्री	आजमगढ़
134–दुर्गा प्रसाद यादव, श्री	आजमगढ़
135–देवकी नन्दन, श्री	उन्नाव
136–देवकुमार यादव, श्री	बांदा
137–देवता दीन, श्री	बहराइच
138–देवी प्रसाद, श्री	बहराइच
139–देवेन्द्र कुमार सिंह, श्री	ललितपुर
140–देवेन्द्र सिंह, श्री	एटा
141–दौलतराम, श्री	बदायूं
142–दौलतराम, श्री	सीतापुर
143–धनीराम वर्मा, श्री	इटावा
144–धर्मज्ञ मिश्र, श्री	हरदोई
145–धर्मपाल, श्री	बहराइच
146–धर्मपाल, श्री	बुलन्दशहर
147–धर्मवीर सिंह बालियान, श्री	मुजफ्फरनगर
148–नकली सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
149–नजमुद्दीन, श्री	इलाहाबाद
150–नरेन्द्र पाल सिंह, श्री	बरेली
151–नरेन्द्र सिंह भाटी, श्री	बुलन्दशहर
152–नरेन्द्र सिंह, श्री	मेरठ
153–नरेन्द्र सिंह भण्डारी, श्री	गढ़वाल
154–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री	हरदोई
155–नरेश चन्द्र उत्तम, श्री	फतेहपुर
156–नारायण दत्त तिवारी, श्री	नैनीताल
157–नियाज हसन, श्री	प्रतापगढ़
158–निरवेन्द्र कुमार, श्री	खीरी
159–निहाला सिंह, श्री	वाराणसी
160–नेमपाल सिंह, श्री	बुलन्दशहर
161–पंचानन राय, श्री	आजमगढ़
162–पद्मा सेठ, श्रीमती	सीतापुर
163–परमाई लाल, श्री	हरदोई
164–परवेज हलीम खान, श्री	मेरठ
165–प्रागीलाल अहिरवार, श्री	झांसी
166–पारसनाथ यादव, श्री	जौनपुर

167–पूर्णवासी, श्री — देवरिया
168–पुष्पा देवी, श्रीमती — बदायूं
169–प्यारेलाल शंखवार, श्री — कानपुर देहात
170–प्रदीप कुमार यादव, श्री — बाराबंकी
171–प्रभु दयाल यादव, श्री — कानपुर देहात
72–प्रभुदयाल प्रधान, श्री — मेरठ
73–प्रमोद कुमार, श्री — प्रतापगढ़
74–प्रवीण सिंह ऐरन, श्री — बरेली
175–प्रेम प्रकाश, श्री — सिद्धार्थनगर
76–प्रेमवती तिवारी, श्रीमती — लखनऊ
77–फकीरे लाल वर्मा, श्री — फर्रुखाबाद
78–फौजदार प्रसाद, श्री — मऊ
79–बंशीधर, श्री — रामपुर
80–बदन सिंह, श्री — आगरा
81–बरफिया लाल जवांठा, श्री — उत्तर काशी
82–बलराम यादव, श्री — आजमगढ़
83–बलवीर सिंह, श्री — टिहरी गढ़वाल
84–बलदेवा सिंह, श्री — बिजनौर
85–बसन्त लाल गुप्ता, श्री — लखनऊ
86–बहादुर सिंह, श्री — आगरा
87–बाबूराम यादव, श्री — मैनपुरी
88–बाबूलाल, श्री — हमीरपुर
89–बाबूलाल सरोज, श्री — प्रतापगढ़
90–बाबू सिंह यादव, श्री — अलीगढ़
91–बालचन्द मिश्रा, श्री — कानपुर
92–ब्रजभूषण मणि त्रिपाठी, डा0 — फैजाबाद
93–ब्रजेन्द्र सिंह, श्री — अलीगढ़
94–बेनी प्रसाद वर्मा, श्री — बाराबंकी
95–बद्रीनाथ शंकर त्रिपाठी, श्री — देवरिया
96–भगवानदीन कनौजिया, श्री — कानपुर देहात
97–भगवान सिंह शाक्य, श्री — बदायूं
98–भारत सिंह रावत, श्री — गढ़वाल
99–भास्कर नारायण मिश्र, श्री — कानपुर
100–भूपेन्द्र नाथ शर्मा, श्री — बरेली
101–भोपाल सिंह, श्री — मेरठ
102–भोला पाण्डेय, श्री — बलिया
103–भोला सिंह, श्री — इलाहाबाद
104–मंजूर अहमद, श्री — बरेली
105–मंत्री मुहम्मद नौशाली, श्री — टिहरी गढ़वाल
106–मण्डलेश्वर, श्री — आगरा
107–मदन गोविन्द राव, श्री — देवरिया
108–मनोहर लाल, श्री — उन्नाव
109–मयंकर सिंह, श्री — बहराइच

210–मस्तराम, श्री — उन्नाव
211–महाराज सिंह यादव, श्री — इटावा
212–महावीर सिंह "आजाद", श्री — मुजफ्फरनगर
213–महाबीर सिंह राणा, श्री — सहारनपुर
214–महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — इलाहाबाद
215–महेन्द्र सिंह माहरा, महू भाई, श्री — पिथौरागढ़
216–महेन्द्र सिंह भाटी, श्री — गाजियाबाद
217–माता प्रसाद पाण्डेय, श्री — सिद्धार्थनगर
218–माधव, श्री — एटा
219–मारकण्डेय चन्द्र, श्री — गोरखपुर
220–मास्टर कुंवर पाल, श्री — सहारनपुर
221–मिठाई लाल शास्त्री, श्री — गोरखपुर
222–मीर मजहर अली उर्फ नन्हे मियां, श्री — बदायूं
223–मुंशी लाल, श्री — इटावा
224–मुईद अहमद, श्री — सुल्तानपुर
225–मुक्तिनाथ यादव, श्री — देवरिया
226–मुख्तार अनीस, श्री — सीतापुर
227–मुरलीधर मुनीम, श्री — गोण्डा
228–मुलायम सिंह यादव, श्री — इटावा
229–मुहम्मद सईद 'भूमर' — सिद्धार्थनगर
230–मुस्तमन्द अली खां, श्री — मथुरा
231–मूलचन्द, श्री — वाराणसी
232–मोतीलाल देहलवी, श्री — कानपुर देहात
233–मोबीन अहमद आजमी, श्री — मऊ
234–मोहम्मद असलम खां, श्री — सहारनपुर
235–मोहम्मद आजम खां, श्री — रामपुर
236–मोहम्मद उल्लाह चौधरी, डा0 — मुरादाबाद
237–मोहम्मद रिजवानुल हक, श्री — मुरादाबाद
238–मो0 हयात, श्री — मुरादाबाद
239–यदुनाथ सिंह, श्री — मिर्जापुर
240–यशपाल, श्री — नैनीताल
241–यशवंत, श्री — आजमगढ़
242–युवराज सिंह, श्री — हमीरपुर
243–योगेन्द्र कुमार, श्री — बदायूं
244–रघुनाथ सिंह वर्मा पटेल, श्री — फिरोजाबाद
245–रघुराज प्रसाद उपाध्याय, श्री — गोण्डा
246–रघुवर दयाल वर्मा, श्री — फिरोजाबाद
247–रणजीत सिंह, श्री — देहरादून
248–रणजीत सिंह जूदेव, श्री — झांसी
249–रतनलाल अहिरवार, श्री — झांसी
250–रतनलाल उर्फ दीना, श्री — बाराबंकी
251–रमाकान्त यादव, श्री — आजमगढ़

252–रमापति शास्त्री, श्री — गोण्डा
253–रमेश करन, श्री — अलीगढ़
254–रविकान्त गर्ग, श्री — मथुरा
255–रविदास मेहरोत्रा, श्री — लखनऊ
256–रवीन्द्र कुमार सिंह, श्री — गाजीपुर
257–रवीन्द्र नाथ तिवारी, श्री — फैजाबाद
258–रवीन्द्र राघव उर्फ पप्पन, श्री — बुलन्दशहर
259–रवीन्द्र शक्ल, श्री — झांसी
260–रवीन्द्र सिंह चौहान, श्री — इटावा
261–राकेश कुमार पालीवाल, श्री — फिरोजाबाद
262–राकेश धर त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
263–राजकिशोर सिंह, श्री — वाराणसी
264–[illegible]जधारी, श्री — बलिया
265–राजनाथ सोनकर शास्त्री, श्री — गाजीपुर
266–राजपति, श्री — जौनपुर
267–राजपती देवी, श्रीमती — सुल्तानपुर
268–राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
269–राजमणि पाण्डेय, श्री — बस्ती
270–राजा मोहम्मद अमीर मोहम्मद खां, श्री — सीतापुर
271–राजित प्रसाद यादव, श्री — वाराणसी
272–राजीव कुमार सिंह, — बाराबंकी
273–राजेन्द्र कुमार गुप्त, श्री — सीतापुर
274–राजेन्द्र त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
275–राजेन्द्र सिंह, श्री — हमीरपुर
276–राजेश्वर बंसल, श्री — मुजफ्फरनगर
277–राधेश्याम भारतीय, श्री — इलाहाबाद
278–रामआसरे अग्निहोत्री, श्री — कानपुर
279–राम आसरे पासवान, श्री — बस्ती
280–राम अौतार दीक्षित, श्री — हरदोई
281–राम अौतार मिश्र, श्री — शाहजहांपुर
282–रामकरन आर्य, श्री — बस्ती
283–रामकुमार वर्मा, श्री — खीरी
284–राम कुमार शुक्ल, श्री — लखनऊ
285–राम गोविन्द चौधरी, श्री — बलिया
286–राम चन्द्र बख्श सिंह, श्री — बाराबंकी
287–राम छबीला मिश्र, श्री — देवरिया
288–राम तेज, श्री — बहरेइच
289–राम दुलारे सिंह, श्री — इलाहाबाद
290–रामधनी, श्री — गाजीपुर
291–रामपाल वर्मा, श्री — हरदोई
292–रामपाल सिंह, एडवोकेट — गोण्डा
293–राम प्रसाद देशमुख, श्री — अलीगढ़
294–राम प्रसाद सिंह, श्री — बांदा
295–राम बक्श वर्मा, श्री — फर्रुखाबाद
296–राम बचन, श्री — आजमगढ़
297–राम बचन धुसिया, श्री — बलिया
298–राम मूरती सिंह, श्री — शाहजहांपुर
299–रामरति बिन्द, श्री — वाराणसी
300–राम लखन यादव, श्री — प्रतापगढ़
301–राम लखन वर्मा, श्री — फैजाबाद
302–राम ललित, श्री — बस्ती
303–राम विशन आजाद, श्री — गोण्डा
304–राम शरण दास, श्री — सहारनपुर
305–राम सरन सिंह, श्री — अलीगढ़
306–राम सिंह सैनी, श्री — हरिद्वार
307–राम सेवक, श्री — सुल्तानपुर
308–राम सेवक सिंह, श्री — बदायूं
309–राम स्वरूप वर्मा, श्री — कानपुर
310–रामेश्वर दयाल बाल्मीकी, श्री — मैनपुरी
311–रामेश्वरी, श्रीमती — बिजनौर
312–राय लक्ष्मी नारायन सिंह, श्री — जौनपुर
313–रिछपाल सिंह बंसल, श्री — मेरठ
314–रिजवान जहीर उर्फ रिज्जू, श्री — गोण्डा
315–रिफाकत हुसैन, श्री — मुरादाबाद
316–रियाज अहमद, श्री — पीलीभीत
317–रुद्र प्रसाद, श्री — मिर्जापुर
318–रेशमा आरिफ, श्रीमती — कानपुर
319–लक्ष्मी कान्त बाजपेयी, श्री — मेरठ
320–लटूरी सिंह, श्री — एटा
321–लालझारी देवी, श्रीमती — देवरिया
322–लालता प्रसाद यादव, श्री — जौनपुर
323–विक्रमादित्य, श्री — बलिया
324–विजय लक्ष्मी, श्रीमती — बलिया
325–विजय सिंह, श्री — सोनभद्र
326–विजय सिंह राणा श्री — आगरा
327–विनोद कुमार चौधरी, श्री — लखनऊ
328–विपिन विहारी, श्री — हरदोई
329–विमल प्रसाद तिवारी, श्री — फर्रुखाबाद
330–विमला राकेश, श्रीमती — सहारनपुर
331–विशन दयाल, श्री — बहराइच
332–विश्राम दास, श्री — इलाहाबाद
333–विश्वनाथ सिंह, श्री — देवरिया
334–वीर अभिमन्यु सिंह, श्री — फतेहपुर
335–वीरेन्द्र कुमार चौधरी, श्री — सीतापुर
336–वीरेन्द्र नाथ दीक्षित, श्री — कानपुर
337–वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, श्री — एटा
338–वीरेन्द्र सिंह, श्री — गाजीपुर

339–वीरेन्द्र सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
340–वीरेन्द्र सिंह ठाकुर, श्री — सहारनपुर
341–वीरेन्द्र सिंह, श्री — हरिद्वार
342–शतरुद्र प्रकाश, श्री — वाराणसी
343–शफीकुर्रहमान बर्क, श्री — मुरादाबाद
344–शमी (शमीम) अहमद खां, डा0 — मुरादाबाद
345–शमेंन्द्र त्यागी, श्री — मेरठ
346–शशि मित्तल, श्रीमती — गोरखपुर
347–शारदा देवी, श्रीमती — बलिया
348–शारदानन्द अंचल, श्री — गोरखपुर
349–शारदा प्रसाद रावत, श्री — लखनऊ
350–शारदा प्रताप शुक्ल, श्री — बाराबंकी
351–शिवकरन सिंह, श्री — कानपुर
352–शिव कुमार बेरिया, श्री — रायबरेली
353–शिव दर्शन, श्री — गोरखपुर
354–शिव प्रताप शुक्ल, श्री — रामपुर
355–शिव बहादुर सक्सेना, श्री — रायबरेली
356–शिव बालक पासी, श्री
357–शिवराज सिंह चौहान उर्फ पी0 टी0 आई0, श्री — मैनपुरी
358–शिवराम सिंह कुशवाहा, श्री — जालौन
359–शिवानन्द नौटियाल, डा0 — चमोली
360–शेख मोहम्मद सुलेमान, श्री — बिजनौर
361–शैलेन्द्र कुमार, श्री — इलाहाबाद
362–श्याम देव राय चौधरी दादा, श्री — वाराणसी
363–श्याम नारायन तिवारी, श्री — गोरखपुर
364–श्याम बिहारी सिंह, श्री — बरेली
365–श्याम लाल रावत, श्री — सीतापुर
366–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री — मथुरा
367–श्री प्रकाश उर्फ ज्ञान्, श्री — आजमगढ़
368–श्रीराम चौहान, श्री — बस्ती
369–संगम लाल शुक्ला, श्री — प्रतापगढ़
370–संत बख्श रावत, श्री — लखनऊ
371–संत श्रीराम दिववेदी, श्री — फैजाबाद
372–सन्तोष कमारी पाठक, श्रीमती — बदायूं
373–सच्चिदानन्द बाजपेयी, श्री — उन्नाव
374–सत्य प्रकाश विकल, श्री — आगरा
375–सत्य प्रकाश सोनकर, श्री — वाराणसी
376–सन्त लाल, श्री — पीलीभीत
377–समीउल्ला, श्री — गोण्डा
378–सरजीत सिंह डंग, डा0 — मिर्जापुर
379–सरदार सिंह, श्री — मथुरा
380–सरस्वती तिवारी, श्रीमती — अल्मोड़ा
381–सरस्वती प्रताप सिंह, श्री — खीरी

382–सर्वराज सिंह, कुंवर — बरेली
383–सावित्री देवी, श्रीमती — बांदा
384–साहब सिंह, श्री — मेरठ
385–सिया दुलारी, श्रीमती — बांदा
386–सियाराम सागर, डा0 — बरेली
387–सी0 वी0 इनिस, श्री — नाम निर्देशित आंग्ल भारतीय

388–सुखदा मिश्रा, श्रीमती — इटावा
389–सुखबीर सिंह, श्री — बिजनौर
390–सुखबीर सिंह गहलौत, श्री — गाजियाबाद
391–सुन्दर लाल कुरील, श्री — उन्नाव
392–सुन्दर लाल, श्री — बाराबंकी
393–सुबास, श्री — मऊ
394–सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नी, श्री — गाजियाबाद
395–सुरेन्द्र कुमार दूबे, श्री — हरदोई
396–सुरेन्द्र पाल वर्मा, डा0 — बांदा
397–सुरेन्द्र प्रताप नारायण पाण्डेय, श्री — बस्ती
398–सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री — शाहजहांपुर
399–सुरेन्द्र सिंह चौहान, श्री — अलीगढ़
400–सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
401–सुरेश चन्द्र सिंह यादव, श्री — फर्रुखाबाद
402–सुरेश प्रताप सिंह गांधी, श्री — अलीगढ़
403–सुरेश यादव, श्री — देवरिया
404–सूर्यभान सिंह, श्री — सुल्तानपुर
405–सैय्यद लियाकत हुसैन, श्री — फतेहपुर
406–सोमांश प्रकाश, श्री — मुजफ्फरनगर
407–स्वामी नाथ, श्री — देवरिया
408–हनमन्त सिंह, श्री — गोण्डा
409–हरदेव सिंह, श्री — बाराबंकी
410–हरद्वार दत्ते, एडवोकेट, श्री — आगरा
411–हर नारायण, श्री — पीलीभीत
412–हर नारायण सिंह, श्री — रायबरेली
413–हर फूल सिंह, श्री — सहारनपुर
414–हरिवंश सहाय, श्री — देवरिया
415–हरि किशन, श्री — कानपुर देहात
416–हरिकरन यादव, श्री — सुल्तानपुर
417–हरिवंश कपूर, श्री — देहरादून
418–हरि शंकर तिवारी, — गोरखपुर
419–हरीश कुमार गंगवार, श्री — पीलीभीत
420–हरेन्द्र सिंह मलिक, श्री — मुजफ्फरनगर
421–हाजी मो0 नईम, श्री — रायबरेली
422–हाजी याकूब, श्री — उन्नाव
423–हेमिराज, श्री — बुलन्दशहर
424–रिक्त — महराजगंज
425–रिक्त — बिजनौर
426–रिक्त — बरेली

प्रदेश महा

राज्यपाल

श्री बी0 सत्यनारायण रेड्डी

मंत्रि-परिषद्

1–श्री मुलायम सिंह यादव	मुख्य मंत्री एवं प्रभारा सामान्य प्रशासन , सूचना, निर्वाचन नागरिक उड्डयन, वित्त, उद्योग, गृह, ऊर्जा, संस्थागत वित्त सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो, आवास, न्याय, एवं विधायिका
2–श्री बेनी प्रसाद वर्मा	लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री ।
3–श्री राम शरण दास	सहकारिता एवं गन्ना विकास मंत्री ।
4–श्रीमती सुखदा मिश्रा	नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री ।
5–श्री अवधेश प्रसाद	हरिजन एवं समाज कल्याण मंत्री ।
6–श्री मो0 आजम खां	राजस्व एवं पुनर्वास मंत्री ।
7–श्री विक्रमादित्य पाण्डेय	प्राविधिक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रोद्योग मंत्री ।
8–श्री बरफिया लाल जुवांवा	पर्वतीय विकास मंत्री
9–श्री शतरुद्र प्रकाश	परिवहन मंत्री ।
10–श्री अशोक बाजपेयी	माध्यमिक शिक्षा मंत्री ।
11–श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव	चिकित्सा शिक्षा मंत्री ।
12–श्री गौरी शंकर भइया	ग्राम विकास,
13–श्री चन्द्र पाल सिंह	ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा मंत्री ।
14–श्री जनार्दन प्रसाद ओझा	दुग्ध विकास मंत्री ।
15–श्री जमुना प्रसाद बोस	श्रम एवं सेवायोजन मंत्री ।
16–श्री बलराम यादव	पशुधन एवं मत्स्य मंत्री ।
17–श्री बाबू राम यादव	क्षेत्रीय विकास एवं पंचायतीराज मंत्री ।
	सिंचाई मंत्री ।
18–श्री भगवती सिंह	युवा कल्याण एवं प्रान्तीय विकास दल मंत्री ।
19–श्री माता प्रसाद पांडेय	स्वास्थ्य मंत्री
20–श्री रमाशंकर कौशिक	उच्च शिक्षा मंत्री ।
21–श्री रमेश चन्द्र श्रीवास्तव	नियोजन एवं 21 सूत्रीय कार्यक्रम मंत्री ।
22–श्री राजेन्द्र त्रिपाठी	वन एवं पर्यावरण मंत्री ।
23–श्री राम गोविन्द चौधरी	उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री ।
24–श्री रवीन्द्र नाथ तिवारी	खाद्य एवं रसद मंत्री ।
25–श्री शंकर सिंह	कृषि मंत्री ।
26–श्री सरदार सिंह	सांस्कृतिक कार्य एवं खेलकूद मंत्री ।
27–श्री हरीश कुमार गंगवार	कारागार, होमगार्ड्स एवं राजनैतिक पेंशन मंत्री ।

राज्यमंत्री

1–श्री अचल सिंह	सिंचाई मंत्री ।
2–श्री अमीर आलम खां	परिवहन मंत्री ।
3–श्री कृपा शंकर आर्य	गन्ना विकास मंत्री ।
4–श्री गया प्रसाद वर्मा	सहकारिता मंत्री ।
5–श्री दीप चन्द्र सोनकर	श्रम मंत्री ।
6–श्री दौलत राम	वन मंत्री ।

7–श्री धर्म पाल	पंचायतीराज मंत्री ।
8–श्री धर्म सिंह बालियान	नगर विकास मंत्री ।
9–श्री नेम पाल	ग्राम्य विकास मंत्री ।
10–श्री परमाई लाल	लघु सिंचाई मंत्री ।
11–श्री पारस नाथ यादव	माध्यमिक शिक्षा मंत्री ।
12–श्री बहादुर सिंह	संस्थागत वित्त मंत्री ।
13–श्री मरगूब अहमद लारी	पर्यटन मंत्री ।
14–श्री राकेश धर त्रिपाठी	उच्च शिक्षा मंत्री ।
15–श्री राम दुलार सिंह	कृषि मंत्री ।
16–श्री राम पाल सिंह	स्वास्थ्य मंत्री ।
17–श्री रुद्र प्रसाद	खाद्य एवं रसद मंत्री ।
18–श्री शफीकुर्रहमान बर्क	क्षेत्रीय विकास मंत्री ।
19–श्री शर्मेन्द्र त्यागी	न्याय एवं विधायिका मंत्री ।
20–श्री शारदानन्द अंचल	लोक निर्माण मंत्री ।
21–श्री संत बख्श रावत	राजस्व मंत्री ।
22–श्री सैय्यद लियाकत हुसैन	लघु उद्योग मंत्री ।

उप मंत्री

1–श्री अशोक कुमार सिंह	चिकित्सा शिक्षा मंत्री ।
2–श्री देवी प्रसाद	कृषि मंत्री ।
3–श्री नरेश उत्तम	वन मंत्री ।
4–श्री रामरती बिन्द	मत्स्य मंत्री ।
5–श्री राममूर्ति सिंह	हरिजन एवं समाज कल्याण मंत्री ।
6–श्री राम करन आर्य	होम-गार्ड्स मंत्री ।

नेता, विरोधी दल

श्री नारायण दत्त तिवारी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ।

संसद सदस्य

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री हरी किशन

उपाध्यक्ष

श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान

सचिव

श्री भाल चन्द्र शुक्ल

अधिष्ठाता मण्डल

1–श्री प्रदीप कुमार यादव, सदस्य, विधान सभा (बाराबंकी)

2–श्री दया शंकर, सदस्य, विधान सभा (वाराणसी)

3–श्री दिवाकर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा (सिद्धार्थनगर)

4–श्री रघुवर दयाल वर्मा, सदस्य, विधान सभा (फिरोजाबाद)

5–श्री नरेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा (मेरठ)

6–श्री शेख मोहम्मद सुलेमान, सदस्य, विधान सभा (बिजनौर)

7–श्री ऊदल, सदस्य, विधान सभा (वाराणसी)

8–डा0 शिवानन्द नौटियाल, सदस्य, विधान सभा (चमोली)

9–श्री ईश्वर शरण विद्यार्थी, सदस्य, विधान सभा (इलाहाबाद)

10–श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता, सदस्य, विधान सभा (सीतापुर)

प्रवेश पत्र नमूना

उत्तर प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक, सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 12 बजकर 30 मिनट पर अध्यक्ष, हरी किशन की अध्यक्षता में आरम्भ हुई ।

सोमवार, दिनांक 21 जनवरी, 1991

निम्नांकित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे :-

अचल सिंह, श्री	फतेहपुर	बालचन्द्र मिश्रा, श्री	कानपुर
अमीर आलम खां, श्री	मुजफ्फरनगर	भापल सिंह, श्री	मेरठ
अरविन्द कुमार, श्री	ललितपुर	भोला पाण्डेय, श्री	बलिया
अरविन्द कुमार, श्री	ललितपुर	मंत्री प्रसाद नैथानी, श्री	टिहरी गढ़वाल
अरुण कुमार सिंह ''मुन्ना'', श्री	जौनपुर	मण्लेश्वर, श्री	आगरा
अशोक कुमार, श्री	बिजनौर	मनोहर लाल, श्री	उन्नाव
इन्दल सिंह चौहान, श्री	मैनपुरी	माधव, श्री	एटा
ओम प्रकाश गुप्ता, श्री	सीतापुर	मास्टर कुंवर पाल, श्री	सहारनपुर
किरनपाल सिंह, श्री	बुलन्दशहर	मीर मजहर अली उर्फ	
कृपा शंकर आर्य, श्री	देवरिया	नन्हे मियां, श्री	बदायूं
कृष्ण कुमार नवमान, श्री	अलीगढ़	मुस्तमन्द अली खां, श्री	मथुरा
केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद	मोहम्मद रिजवानुल हक, श्री	मुरादाबाद
गुलाब सिंह, श्री	देहरादून	रणजीत सिंह, श्री	देहरादून
चन्द्रपाल सिंह, श्री	मुरादाबाद	रवीन्द्र शुक्ल, श्री	झांसी
चन्द्र विजय सिंह, श्री	मुरादाबाद	राजा मो0 अमीर	
जगराम सिंह, श्री	मुरादाबाद	मोहम्मद खां, श्री	सीतापुर
तेजपाल, श्री	बिजनौर	राजेश्वर बंसल, श्री	मुजफ्फरनगर
देवकुमार यादव, श्री	बांदा	राम दुलारे सिंह, श्री	इलाहाबाद
दौलतराम, श्री	बदायूं	राम मूरती सिंह, श्री	शाहजहांपुर
धर्मपाल, श्री	बुलन्दशहर	रामरति बिन्द, श्री	वाराणसी
धर्मवीर सिंह बालियान, श्री	मुजफ्फरनगर	राम सेवक सिंह, श्री	बदायूं
नरेश चन्द्र उत्तम, श्री	फतेहपुर	रिछपाल सिंह बंसल, श्री	मेरठ
नारायण दत्त तिवारी, श्री	नैनीताल	रिजवान जहीर उर्फ रिज्जू, श्री	गोण्डा
नेमपाल सिंह, श्री	बुलन्शहर	रियाज अहमद, श्री	पीलीभीत
प्रभुदयाल प्रधान, श्री	मेरठ	रेशमा आरिफ, श्रीमती	कानपुर
प्रीतम सिंह एरेन, श्री	बरेली	विजय सिंह राणा, श्री	आगरा
बशीरिया लाल जुवांठा, श्री	उत्तर काशी	समीउल्ला, श्री	गोण्डा
बहादुर सिंह, श्री	आगरा	सुखबीर सिंह गहलौत, श्री	गाजियाबाद
बाबूराम यादव, श्री	मैनपुरी	सुबास, श्री	मऊ
बाबू सिंह यादव, श्री	अलीगढ़	सोमांश प्रकाश, श्री	मुजफ्फरनगर
		हरेन्द सिंह मलिक, श्री	मुजफ्फरनगर

प्रदेश सहा

श्री राज्यपाल के अभिभाषण का श्री अध्यक्ष द्वारा आंशिक पाठ

(12.30 बजे माननीय अध्यक्ष के सदन में आते ही ''जय श्री राम'' के नारे विरोध पक्ष की ओर से लगाये गये)

श्री अध्यक्ष–

माननीय सदस्य अपना-अपना आसन ग्रहण करें ।

कुंवर रेवती रमण सिंह–

अध्यक्ष महोदय, व्यवस्था का प्रश्न है ।

श्री अध्यक्ष–

मैं अब खड़ा हुआ हूं, इसलिये कृपया आप बैठ जायं ।

(श्री शारदा प्रताप शुक्ल, श्री चन्द्रशेखर सिंह (वाराणसी), श्री यदुनाथ सिंह, श्री मूलचन्द तथा श्री मोतीलाल दहेलवी के साथ जनता दल के अधिकांश सदस्य सदन के फ्लोर पर आकर बैठे तथा अल्पमत की सरकार को बर्खास्त करो के नारे लगाने लगे जिससे घोर व्यवधान हो गया)

श्री अध्यक्ष–

माननीय सदस्यगण, गंगा-जमुनी तहजीब के लिए विख्यात वीर भारत की हृदय-स्थली, उत्तर प्रदेश का राज्यपाल होने का गौरव मुझे प्राप्त हुआ है । यह पहला अवसर है कि मैं विधान मंडल के वर्ष 1991 के प्रथम सत्र के इस अवसर पर आपको सम्बोधित कर रहा हूं (व्यवधान) क्या अभिभाषण का शेष अंश पढ़ा हुआ मान लिया जाय ?

(घोर व्यवधान के मध्य)

कुछ सदस्य–

ठीक है इसे पढ़ा हुआ माना जाय ।

(सदन की अनुमति से माननीय राज्यपाल महोदय का शेष अभिभाषण पढ़ा हुआ माना गया, जो निम्नांकित है ।)

[आपको नव-वर्ष की शुभ-कामनाएँ देते हुए आपका हार्दिक स्वागत करता हूं ।

गत वर्ष कई राष्ट्रीय विभूतियां इस संसार से विदा हो गयीं । इससे हम सबको महान दुःख है । प्रदेश के भूतपूर्व मुख्य मंत्री एवं राष्ट्र नेता श्री कमला पति त्रिपाठी, राष्ट्रीय विभूति श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित, विधान परिषद् के भूतपूर्व सभापति श्री जगदीश चन्द्र दीक्षित, मूर्धन्य राष्ट्रीय साहित्यकार श्री अमृतलाल नागर, श्री रघुवीर सहाय, डा0 राम कुमार वर्मा एवं श्रीयुत् श्रीनारायण चतुर्वेदी हमारे बीच में नहीं रहे । मैं दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं । उनकी प्रेरक स्मृति आगे भी हमारा पथ प्रदर्शन करेगी ।

यह प्रदेश भारतीय संस्कृति की गौरवमयी परम्पराओं, सहिष्णुता, भाई-चारा तथा राष्ट्रीय एकता का प्रतीक रहा है । आजादी की लड़ाई और उसके बाद एक नए विकासशील देश के रूप में भारत को उभारने में इस प्रदेश की प्रमुख भूमिका है । धर्म-निरपेक्षता, सह-अस्तित्व एवं सहन-शीलता इस प्रदेश की जीवन धारा रही है । पिछले कुछ महीनों में इन बुनियादी परम्पराओं को ठेस पहुंचाने एवं प्रदेश की सामान्य शान्ति-व्यवस्था को चुनौती देने का प्रयास किया गया । परन्तु यह हर्ष एवं संतोष की बात है कि आम जनता ने इन प्रयासों को विफल कर, धुंध को हटाते हुए, सरकार का समर्थन कर एवं कदम से कदम मिलाते हुए प्रदेश के विकास की गति को बनाये रखा ।

नोट :–[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया ।

मेरी सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन के लिए ठोस कदम उठाये हैं । इस प्रकार के आमूल चूल परिवर्तन के प्रयासों में बाधा डालने हेतु कुछ शक्तियों ने भीतर और बाहर से असफल प्रयास किया, फिर भी बिना किसी समझौते के विकास का यह क्रान्ति रथ अपने लक्ष्यों तक पहुंचने में सामान्य रूप से सफल हुआ है । इस विकास के रथ को रोकने की नाकाम कोशिश की गयी । पिछले दिनों साम्प्रदायिक उन्माद भड़काने की जो घटनाएं हुईं और जिसमें जान-माल का दुखद नुकसान भी हुआ, ऐसे ही कुप्रयासों का अंग है । राज्य के कुछ जनपदों में छुट-पुट घटनाओं एवं अफवाहों से आपसी सद्भाव में जहर घोलने की कोशिश हुई । मैं राज्य की जनता को बधाई देता जिसने ऐसे तत्वों के मनसूबे भांप लिए और आपसी सद्भाव कायम रखा । ऐसे समय जब अपना देश गम्भीर समस्याओं के दौर से गुजर रहा है, मेरी परमात्मा से प्रार्थना है कि हम सबके दिलों में भाई-चारा, स्नेह, एकता, सहिष्णुता और सहयोग की भावना जगे और जनता से अपील है कि इसे बनाये रखे ।

हमारे संविधान में समानता, लोकतंत्र, समाजवाद और धर्म-निरपेक्षता के बुनियादी सिद्धान्त हैं । ये सिद्धान्त एक दूसरे पर निर्भर हैं । समानता केवल वोट का अधिकार यानि राजनीतिक अथवा आर्थिक सीमा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय एवं समाज की गतिविधियों से भी संबंधित है । इसमें उपासना के समान अधिकार हैं । प्रत्येक को अपने धर्म की पूरी स्वतंत्रता है । जाहिर है, संविधान प्रत्येक व्यक्ति को उस सीमा तक ही स्वतंत्रता देता है, जब तक वह दूसरे की स्वतंत्रता में बाधाजनक न बने । राज्य के लिए सभी धर्म बराबर हैं । करोड़ों के धर्म उतने ही आदरणीय हैं जितने कि कुछ गिने-चुने लोगों के । इसीलिए हमें धर्मों का साम्प्रदायीकरण करने के बजाय उनके मुनिसाकी उसूलों की ओर जाना होगा । धर्म सेवा का नाम है, लूट और कत्ल का नहीं । कोई भी धर्म दूसरे धर्मों में बरधा पहुंचाने को बात नहीं कहता है ।। इस प्रदेश को विकसित एवं मजबूत बनाने के लिए हमें सदैव याद रखना होगा कि यह प्रदेश मिले-जुले धर्मों एवं तहजीबों का घर रहा है, जहां सभी प्रगतिशील परम्पराओं साथ-साथ पनपी हैं ।

लगभग 13 माह पूर्व जनता ने व्यवस्था परिवर्तन की आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने का दायित्व मेरी सरकार को सौंपा था । मेरी सरकार ने अपनी प्राथमिकताओं में गांव के विकास को केन्द्र बिन्दु माना है । कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन, अनाज उत्पादकता दर में वृद्धि, गांव के किसानों तथा शहरी गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं एवं रोजगार के नए अवसर, हमारी विकास की रणनीति के अंग हैं । इस अवधि में मेरी सरकार ने घोषित कार्यक्रमों को लागू करने और विकास कार्यों की रफ्तार में तेजी लाने में सफलता प्राप्त की है ।

प्रदेश की अर्थ-व्यवस्था को सुनियोजित दिशा प्रदान करने और समाज के कमजोर वर्गों को सामाजिक न्याय दिलाने के उद्देश्य से मेरी सरकार ने 21 सूत्री कार्यक्रम अंगीकृत किया है । उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को विशेष सुविधा एवं स्वच्छता के उद्देश्य से शौचालयों का निर्माण, वृद्ध, विकलांग एवं निराश्रय विधवाओं के लिए पेंशन, गांव में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा भूमि सुधार एवं भूमिहीनों को भूमि आवंटित करने के उद्देश्य से चलायी गयी भूमि सेना की योजना, नगर क्षेत्र में नेहरू रोजगार योजना, रिक्शा चालकों को रिक्शा मालिक बनाने की योजना, भवन विहीन प्राइमरी पाठशालाओं के लिए भवन-निर्माण, अल्पसंख्यकों का आर्थिक उत्थान एवं सुरक्षा, बच्चे स्वास्थ्य के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, आवास विहीन श्रमिकों, रिक्शा चालकों आदि के लिए रैन बसेरा एवं बुनकरों के लिए सूत इत्यादि की सुविधा मुख्य रूप से उल्लेखनीय है । इन कार्यक्रमों में उपलब्धियां चालू वित्तीय वर्ष में संतोषजनक रही हैं ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए राष्ट्रीय विकास परिषद् द्वारा अनुमोदित ''दृष्टिकोण पत्र'' में दिए गए मूल सिद्धान्तों को दृष्टिगत रखते हुए मेरी सरकार ने विकास की रणनीति तैयार की है । आठवीं पंचवर्षीय योजना (1990-95) का प्रारूप जिन प्रमुख उद्देश्यों को ध्यान में रखकर बनाया गया है उसमें योजना का केन्द्र बिन्दु 'रोजगार सृजन' है जिसके निमित्त लगभग 50 लाख व्यक्तियों के लिए पूर्ण तथा टिकाऊ रोजगार के अवसरों का सृजन तथा उनके आधार पर गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली जनसंख्या, जो वर्ष 1983-84 में 45 प्रतिशत थी, में कमी करके इसे 30 से 32 प्रतिशत तक लाना है । इसके अतिरिक्त 5.5 प्रतिशत की राष्ट्रीय वार्षिक वृद्धि दर

के सापेक्ष राज्य की आय में 6 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले, विशेषकर निर्धनों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार, राज्य के पिछड़े क्षेत्रों का त्वरित विकास, कमजोर वर्ग के विशेषकर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति एवं महिलाओं एवं बच्चों के आर्थिक व सामाजिक स्तर में उत्थान हेतु सम्यक उपाय, जनसंख्या की वृद्धि दर में कमी करना तथा कृषि की उत्पादकता में वृद्धि करना भी योजना के मुख्य उद्देश्य हैं । इन्हीं उद्देश्यों के अनुरूप विकास कार्यक्रम तैयार किए गए हैं । योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश का प्रतिशत 50 से अधिक रखा गया है ।

मेरी सरकार का निश्चित मत है कि प्रदेश के प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोत्तरी गांव के विकास से सम्बद्ध है । कृषि उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से मेरी सरकार ने नयी कृषि रणनीति बनायी है जिसके अंतर्गत विभिन्न कृषि निवेशों की समय से एवं उचित दर पर आपूर्ति के साथ-साथ बीहड़ तथा ऊसर भूमि को सुधार कर उसे कृषि योग्य बनाना भी है । पिछले वर्षों से चल रहे कार्यक्रमों की उपयोगिता की समीक्षा के साथ-साथ उन्हें विशेष गति प्रदान की जा रही है । ऊसर, बीहड़ व बंजर भूमि सुधार के लिए गाजियाबाद, एटा, कानपुर (देहात), हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, फतेहपुर, सुल्तानपुर, वाराणसी, आजमगढ़, इटावा, मैनपुरी, आगरा, जालौन, देहरादून और नैनीताल जनपदों में भूमि सेना का गठन किया गया है । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ऊसर सुधार, वनीकरण, सिंचाई साधनों का विकास, फसलोत्पादन कार्यक्रम तथा प्रक्षेत्र विकास कार्यक्रम अपनाये गये हैं । अब तक 14,370 हेक्टेयर क्षेत्र चयनित किए गए हैं । लगभग 17,000 भूमि सैनिकों को विभिन्न कार्यक्रमों से संबद्ध किया गया है । वनीकरण के लिए भी 1,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र चयनित किया जा चुका है ।

राज्य सरकार ने उर्वरक सस्ते दर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सहकारी संस्थाओं को अनुदान की व्यवस्था भी की है । इससे जहां एक ओर उर्वरक सस्ते दर पर उपलब्ध हो सका वहीं उसके मूल्यों में अप्रत्याशित वृद्धि रोकने में भी सफलता मिली है ।

ग्रामीण क्षेत्रों को अधिक और त्वरित गति से अवस्थापना सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के अनुरूप मेरी सरकार का यह प्रयास है कि सिंचाई योजनाओं का कार्यान्वयन इस प्रकार किया जाय कि कृषकों को असिंचित क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधाएं शीघ्र मिल सकें और वर्तमान सिंचाई सुविधाओं का समुचित उपयोग हो । वर्तमान वित्तीय वर्ष में 5 वृहत् एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं तथा आगामी वित्तीय वर्ष में सात परियोजनाओं के भौतिक कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य है । लघु सिंचाई परियोजनाओं पर भी विशेष बल दिया जा रहा है । रबी की फसल के लिए नहरों एवं राजकीय नलकूपों के माध्यम से हर खेत को सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है । नहरों को निर्धारित रोस्टर के अनुरूप चलाकर उसके अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने के लिए कारगर कदम उठाये जा रहे हैं । पिछली खरीफ की तुलना में इस वर्ष लगभग 9 प्रतिशत अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी गयी ।

कृषि तथा ग्रामीण उद्योगों के विकास में सहकारिता आन्दोलन की भूमिका महत्वपूर्ण है । मेरी सरकार आने वाले वर्षों में सहकारी आन्दोलन को और अधिक उपयोगी एवं प्रभावी बनाने का प्रयास करेगी । सहकारी सदस्यता में वृद्धि, कृषि निवेशों के वितरण में पर्याप्त ऋण की उपलब्धता एवं मूल्य नियंत्रण के लिए उपभोक्ता योजना को प्रमुख स्थान दिया गया है । ग्रामीण क्षेत्रों की बढ़ती हुई आवास समस्या के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के माध्यम से ऋण वितरण की नई योजना प्रारम्भ की गयी है । अब लघु कुटीर उद्योगों को भी ऋण वितरण का कार्य उक्त बैंक के माध्यम से कराया गया है ।

राज्य के विकास में ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्थान है । मेरी सरकार का यह प्रयास है कि राज्य विद्युत परिषद् कार्यकुशलता में सुधार, अनावश्यक व्यय में कमी तथा ऊर्जा उत्पादन क्षमता में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सबल हो । इन लक्ष्यों की पूर्ति के लिए अनेक कदम उठाये गये हैं । तकनीकी प्रशासन में चुस्ती लायी गयी है । राज्य विद्युत परिषद् के बढ़ते हुए खर्चों पर प्रभावी ढंग से रोक लगायी गयी है । राजस्व वसूली में वृद्धि हुई है । विद्युत आपूर्ति सुचारु रूप से बनाये रखने के लिए विद्युत प्रणाली में सुधार की योजनाएं तैयार की गयी हैं । मेरी सरकार

ने अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप गांव में 14 घंटे प्रतिदिन विद्युत आपूर्ति करने का प्रयास किया है । विद्युत परिषद् द्वारा 33 के0 वी0 उप स्थानों तक विद्युत आपूर्ति का औसत 14 घण्टे रहा है परन्तु किसानों को वांछित राहत तभी मिलेगी जब आपूर्ति की यह व्यवस्था 11 के0 वी0 की लाइन तक सुनिश्चित की जा सके । राजकीय नलकूपों में विद्युत दोष से नलकूपों की बन्दी की आम शिकायत मिलती थी । पिछले वर्षों में सामान्य रूप से 11 से 15 प्रतिशत नलकूप विद्युत दोष के कारण खराब रहे हैं । विशेष अभियान चलाकर इसे घटा कर 5 प्रतिशत तक लाया गया है ।

एकीकृत ग्रामीण विकास योजना के अंतर्गत आठवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि में 18.5 लाख परिवारों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है । एकीकृत ग्राम्य विकास कार्यक्रमों में चालू वर्ष के दौरान लगभग 4.7 लाख परिवार लाभान्वित होंगे । जवाहर रोजगार योजना में 17 करोड़ मानव दिवस सृजित किए जायेंगे । इसी प्रकार लघु सिंचाई कार्यक्रम में 2 लाख नि:शुल्क बोरिंग की जानी है । अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लघु एवं सीमान्त किसानों की भूमि की उत्पादकता में वृद्धि के लिए 6 हजार लाभार्थियों की भूमि पर कूंओं के निर्माण की व्यवस्था की गयी है ।

किसानों के हित में गन्ना मूल्य बढ़ाने का निर्णय लिया गया है । सामान्य जातियों के लिए 41 रुपए प्रति कुन्तल एवं शीघ्र पकने वाली जातियों के लिए 44 रुपए प्रति कुन्तल मूल्य, निर्धारित किया गया है । नई चीनी मिलों की स्थापना के लिए प्रदेश सरकार ने भारत सरकार को आशयपत्र दिए जाने की संस्तुति भेजी है । प्रदेश को 17 नई चीनी मिलों की स्थापना हेतु आशय-पत्र प्राप्त हो चुके हैं जिससे 42,500 मीट्रिक टन प्रतिदिन पेराई क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी ।

किसानों एवं अन्य निर्बल वर्ग को राहत देने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा घोषित 10 हजार रुपये तक की ऋण माफी की योजना निश्चित अवधि में पूर्ण की गयी । सहकारी संस्थाओं द्वारा लगभग 35.85 लाख लाभार्थियों का 633.5 करोड़ रुपये का ऋण माफ किया गया है ।

गांवों में अतिरिक्त आय एवं अतिरिक्त रोजगार के साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पशु पालन कार्यक्रमों को विशेष महत्व दिया जा रहा है । नस्ल सुधार एवं पशुओं को स्वस्थ रखने एवं उन्हें संक्रामक रोगों से बचाने के लिए यथा आवश्यक सुविधायें प्रदान की गयी हैं । लघु एवं सीमान्त कृषकों तथा भूमिहीन कृषक मजदूरों के लाभार्थ भारत सरकार के सहयोग से चलायी जा रहे विशेष पशुधन प्रजनन कार्यक्रम के अंतर्गत अनुदान एवं बैंक ऋण की व्यवस्था है । मछुआरों के कल्याण हेतु मछुआ सहकारी समितियों को स्थानीय ठेके में वरीयता दी जायेगी । राष्ट्रीय कल्याण योजना के अंतर्गत मछुआ बहुल गांवों में मछुआरों के लिए आवासीय भवन तथा कमेटी हाल निर्मित किए जायेंगे । इस वर्ष मत्स्य विकास में विशेष प्रयास करके 12.5 करोड़ मत्स्य बीज वितरण के लक्ष्य के विपरीत 15 करोड़ मत्स्य बीज वितरित किए गए हैं ।

अम्बेदकर शताब्दी के इस वर्ष में अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रम अपनाये गये हैं । चालू वर्ष में प्रदेश के प्रत्येक जिले में ऐसे 5 ग्राम चुने जाने हैं जिनकी आबादी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक है । इनके सर्वांगीण विकास के लिए अम्बेदकर ग्राम्य विकास योजना प्रारम्भ की गयी है । इन गांवों में सर्वेक्षण के पश्चात् योजना बद्ध ढंग से विकास कार्यक्रम चलाये जायेंगे ।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और विमुक्त जातियों के शैक्षिक एवं आर्थिक विकास के लिए अन्य महत्वपूर्ण योजनायें भी अपनायी गयी हैं । छात्र एवं छात्राओं को इस वर्ष छात्रावासों में भरण पोषण अनुदान प्रदान किया जायेगा । मेधावी छात्रों को विशेष छात्रवृत्ति से पुरस्कृत किया जायेगा । छात्रों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भूमि क्रय करने, अतिरिक्त राजकीय छात्रावास के निर्माण एवं स्वैच्छिक संस्थाओं को छात्रावास अनुदान की व्यवस्था प्रस्तावित है । अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कल्याण के लिए ग्रामीण क्षेत्र में एक लाख आवास निर्मित किए जाने हैं । स्वच्छकारों को सिर पर मैला उठाने से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से जल प्रवाही शौचालय, सुलभ शौचालय एवं स्थानीय निकायों में पहिया गाड़ी व्यवस्था के लिए धनराशि उपलब्ध करायी जायेगी ।

अल्पसंख्यकों की आर्थिक समस्याओं एवं सामाजिक सुरक्षा के प्रति शासन की पूरी सहानुभूति है । मेरी सरकार अल्पसंख्यकों में बेरोजगारी दूर करने और उनके आर्थिक उत्थान हेतु समयबद्ध व्यवस्था कर रही है । अल्पसंख्यकों की शासन/प्रशासन, व्यापार आदि सभी क्षेत्रों में भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी जिससे वे राष्ट्र की मुख्य धारा में बिना किसी भेदभाव के सम्मिलित हो सकें । अल्पसंख्यक आयोग को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है । अल्पसंख्यक वित्त आयोग द्वारा नए उद्यमियों को उदार शर्तों पर वित्त उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है ।

समाज के निर्धन, निराश्रय, विकलांग, विधवा, वृद्ध एवं दुर्बल व्यक्तियों के लिए कल्याणकारी योजनाएं अपनाई गई हैं । इस वर्ष विधवाओं तथा विकलांगों के भरण-पोषण अनुदान को उदार बनाया गया है । जैसा कि आपको ज्ञात है, पेंशन की दरों में वृद्धि की जा चुकी है । लगभग 3.4 लाख वृद्धों को वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत की गयी है । अब लाभार्थी को आर्थिक सहायता पोस्ट आफिस एवं बचत बैंक के माध्यम से भी सम्भव है ।

मेरी सरकार महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के प्रति कृत संकल्प है । आर्थिक दृष्टि से कमजोर महिलाओं, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार के लिए अनेक नई योजनाएं चलायी गयी हैं । रोजगार कार्यक्रम समर्थन योजना तैयार की गयी है । महिलाओं को अपने हस्त शिल्प उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष विपणन सुविधा की योजना है । महिला कल्याण निगम द्वारा प्रशिक्षण के भी कार्यक्रम अपनाये गयं हैं । गांवों की महिलाओं की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से एकीकृत ग्राम्य विकास योजना के अन्तर्गत 1.9 लाख महिलाओं को स्वतः रोजगार के लिए ऋण की व्यवस्था है । महिलाओं की सुविधा के लिए चालू वर्ष में ग्रामीण शौचालय का एक वृहद् कार्यक्रम लिया गया है जिसमें 2 लाख शौचालय निर्मित किए जायेंगे । इस हेतु अनुदान की भी व्यवस्था है ।

मेरी सरकार नियोजित विकास की दृष्टि से प्रदेश में औद्योगीकरण की दर में वृद्धि के लिए प्रयत्नशील है । लघु व कुटीर उद्योग और हस्तशिल्प के माध्यम से रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सुलभ किए जा रहे हैं । जनता वस्त्र उत्पादन में अनुमन्य सहायता में वृद्धि करके बुनकरों को राहत दी गयी है । प्रदेश के 13 अल्पसंख्यक बहुल्य जनपदों में विशेष कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं तथा प्रदेश के 12 जनपदों में सघन औद्योगीकरण अभियान भी चलाया जा रहा है । भारी उद्योगों की स्थापना के लिए केन्द्र से विशेष सिफारिश की गयी है । गैस पर आधारित औरैया परियोजना , सलेमपुर एरोमेटिक परियोजना, मथुरा में ल्यूब आयल रिफाइनरी परियोजना आदि को प्राथमिकता दी गयी है ।

औद्योगिक विकास के लिए ग्रोथ सेन्टर्स स्थापना की रणनीति भी अपनायी गयी है । इस हेतु नोएडा के निकट ग्रेटर नोएडा विकास क्षेत्र की स्थापना की जायेगी और गोरखपुर में 'गीडा' की स्थापना करके अवस्थापना सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार लाया जायेगा । औद्योगीकरण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास खण्ड स्तर पर मिनी औद्योगिक आस्थानों की स्थापना की जा रही है ।

प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों को बढ़ावा देने के लिए अप्रैल, 1990 से बिक्रीकर छूट की एक नई योजना घोषित की गयी है । इसके अन्तर्गत इकाइयों के प्रसार, विविधीकरण तथा आधुनिकीकरण से प्राप्त होने वाले अतिरिक्त उत्पादन पर भी बिक्रीकर छूट की सुविधा अनुमन्य है । पर्वतीय क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों को स्थापित करने के लिए यातायात एवं अन्य मदों में भी अतिरिक्त अनुदान की व्यवस्था की गयी है ।

मेरी सरकार ने शिक्षा नीति एवं भाषा नीति के प्रति अपनी स्थिति समय-समय पर स्पष्ट की है । गरीब एवं अमीर सभी के बच्चे समान स्तर की शिक्षा पायें जिससे आपसी भेदभाव समाप्त हो, इस पर किसी का क्या मतभेद हो सकता है ? राष्ट्र भाषा का विकास हो और उसके साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं का भी विकास हो एवं उन्हें मान्यता मिले, यह राष्ट्र गौरव के लिए आवश्यक है । देश एवं प्रदेश का प्रशासन, न्यायपालिका, कार्यपालिका एवं अनेक आर्थिक गतिविधियों से सम्बद्ध इकाइयों में हिन्दी तथा क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग हो सके तो हम विदेशी मानसिकता से अलग हटकर राष्ट्राभिमानी एवं अनुशासित नागरिक बन सकेंगे ।

मेरी सरकार ने वायदा किया था कि वर्तमान में चल रहे प्राइमरी स्कूलों के भवनों का निर्माण कराया जायेगा जिससे हर बच्चे की शिक्षा के लिए छत उपलब्ध हो सके । इसलिए प्रथम चरण में 12,820 भवनहीन प्राइमरी स्कूलों में भवन निर्माण का कार्यक्रम अपनाया गया था । यद्यपि कुछ क्षेत्रों में स्थानीय परिस्थितियों के कारण निर्माण कार्यक्रम में वांछित प्रगति नहीं हो सकी, चालू वित्तीय वर्ष के अन्त तक अधिकांश स्कूल पूर्ण रूप से निर्मित हो जायेंगे । वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2270 प्राइमरी और 33 जूनियर हाईस्कूल खोले गए हैं । 100 विकास खण्डों में राजकीय बालिका विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं । इसके पश्चात् केवल 415 विकास खण्ड ऐसे होंगे जहां कि माध्यमिक स्तर के बालिका विद्यालय नहीं होंगे । इन विकास खण्डों को भी आने वाले वर्षों में सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी ।

राष्ट्रीय एकता और पारस्परिक सद्भाव के विकास के उद्देश्य से अहिन्दी भाषी क्षेत्रों की 8 भारतीय भाषाओं के कक्षा 6 से अध्यापन के लिए 8 जनपदों में व्यवस्था की गयी है ।

शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए भी मेरी सरकार कृतसंकल्प है । माध्यमिक विद्यालयों के लिए अनुदान योजना, महाविद्यालयों को स्वायत्तशासी बनाने का प्रयास आदि प्रमुख है । यद्यपि इस वर्ष की विशेष परिस्थितियों के कारण विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में नियमित सत्र बनाये रखने के प्रयासों को पूर्ण सफलता नहीं मिल सकी है, मेरी सरकार इसे प्राथमिकता देते हुए यथासम्भव शैक्षिक सत्रों को शीघ्र नियमित करेगी ।

डा0 भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय को शीघ्र स्थापित किया जायेगा । इस हेतु चालू वर्ष में 5 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध करा दी गई है । स्थापना कार्य में गति लाने के उद्देश्य से एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की महानिदेशक के पद पर नियुक्ति की गई है ।

आगामी वित्तीय वर्ष से प्रदेश के विभिन्न पालीटेक्निकों में उद्योगों की आवश्यकताओं और परिस्थितियों के अनुरूप तकनीकियों से संबंधित पाठ्यक्रम चलाने का प्रस्ताव है । आठवीं पंचवर्षीय योजना में विश्व बैंक से प्राप्त सहायता से प्राविधिक शिक्षा के सुदृढ़ीकरण और विस्तार, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में गुणवत्ता बढ़ाने, महिलाओं को तकनीकी शिक्षा की ओर आकर्षित करने और संस्थाओं के उद्योगों के साथ अन्तर्सम्बन्ध स्थापित करने पर बल दिया जा रहा है । डिग्री स्तरीय प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं में निजी क्षेत्र में उद्योगपरक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने के प्रस्ताव को वरीयता प्रदान करने पर विचार किया जा रहा है ।

"सबके लिए स्वास्थ्य" के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा । इस उद्देश्य से आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के विस्तार एवं विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है । स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास एवं उनमें गुणात्मक सुधार तथा आधुनिकीकरण पर बल दिया जा रहा है । जिला सेक्टर योजनाओं के माध्यम से जन साधारण की आकांक्षाओं के अनुरूप चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है । घातक बीमारियों से बचाव के लिए शिशुओं और गर्भवती महिलाओं को टीके लगाये जा रहे हैं । चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संस्थानों में आधुनिकतम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है ।

प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए मार्गों और पुलों के निर्माण को मेरी सरकार ने समुचित महत्व दिया है । विशेषरूप से गांवों को जोड़ने वाले निर्माण कार्यक्रमों को प्राथमिकता मिली है । मैदानी और पर्वतीय क्षेत्रों के मार्गों, पुलों के लिये लगभग 300 करोड़ रुपये के परिव्यय में से लगभग 163 करोड़ रुपये न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत आने वाली योजनाओं पर व्यय किया जा रहा है जिनका उद्देश्य प्रदेश के गांवों को यातायात के साधन उपलब्ध कराना है । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आठवीं पंचवर्षीय योजना में 1000 तथा उससे अधिक आबादी वाले शेष 5360 गांवों को सब ऋतु योग्य मार्गों से जोड़ने का लक्ष्य है । अब तक ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकतर मार्ग केवल पत्थर की कुटाई अथवा ईंटों की सोलिंग तक ही बनाये जा रहे थे । अब यह निर्णय लिया गया है कि भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों में बनाई जाने वाली सड़कों को लेपन

स्तर तक पूरा किया जाय । महत्वपूर्ण नगरों के मार्ग तथा भारी यातायात वाले राज्य मार्गों का आधुनिकीकरण एवं सुधार आधुनिकतम विशिष्टियों के अनुसार किया जा रहा है । मेरी सरकार के विशेष प्रयासों से एशियन डेवलपमेन्ट बैंक से कतिपय महत्वपूर्ण मार्गों के लिए वित्तीय सहायता मिल गयी है । इसके अतिरिक्त विश्व बैंक से पोषित 4 मार्गों की योजनायें स्वीकृत की जा चुकी हैं जिनकी लम्बाई लगभग 604 किलोमीटर है । इलाहाबाद में यमुना नदी पर लगाये 90 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण के लम्बित प्रकरण पर विशेष प्रयासों से भारत सरकार से निर्णय कराया गया है ।

मेरी सरकार नगर क्षेत्रों में आवास की कमी को दृष्टिगत रखते हुए विकास प्राधिकरणों के साथ निजी तथा सहकारिता क्षेत्र को भी प्रोत्साहन दे रही है । समाज के कमजोर वर्गों की आवासीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दुर्बल आय वर्ग के लिए आवास गृहों का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है । आश्रयविहीन श्रमिकों तथा रिक्शा चालकों के लिये रैन-बसेरा बनाये जा रहे हैं । प्रदेश के 64 नगरों की मलिन बस्तियों में जनसुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ पर्यावरण में स्वच्छता लाने का कार्य कराया गया, जिससे लगभग 85 हजार व्यक्ति लाभान्वित हुए । शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में बदलने का कार्य 400 नगरों में कराया गया । भंगी मुक्ति योजना में 55 अन्य नगरों को शामिल करने का प्रस्ताव है ।

प्रदेश की समस्त नगरपालिकाओं और महापालिकाओं में 1 अगस्त, 1990 से चुंगी समाप्त कर दी गयी है जिसका आवागमन तथा वस्तुओं के मूल्य पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है । नगरपालिकाओं को वित्तीय संस्थाओं से ऋण लेने हेतु अधिनियम में संशोधन करके अधिकृत कर दिया गया है, जिससे नगरपालिकाओं को आवश्यकतानुसार विकास कार्यक्रमों के लिए संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे ।

मेरी सरकार ने श्रमिकों के कल्याण के लिये वर्तमान योजनाओं में प्रसार तथा नयी योजनायें भी अपनायी है । श्रम विभाग द्वारा तम्बाकू निर्माण में लगे श्रमिकों, चमड़ा उद्योग तथा सहकारी कताई मिलों के कर्मकारों के वेतन भत्ते आदि निर्धारित किये हैं । प्रदेश के 21 नियोजनों में न्यूनतम मजदूरी दरों में पुनरीक्षण किया गया है । श्रम कल्याण केन्द्र एवं चिकित्सा सुविधाओं में भी प्रसार किया जा रहा है । शिल्पकार प्रशिक्षण कार्यक्रम के उन्नयन हेतु विश्व बैंक योजना प्रारम्भ की गई है । विकलांगों के प्रशिक्षण के लिए एक अलग संस्थान खोला जा रहा है । मेरी सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप चालू वर्ष में अधिकांश औद्योगिक इकाइयों में हड़ताल इत्यादि के कारण बन्दी में कमी आयी है ।

राज्य के पर्वतीय अंचल की समस्याओं के निदान एवं इन क्षेत्रों के लिए घोषित कार्यक्रमों के त्वरित क्रियान्वयन के लिए मेरी सरकार कटिबद्ध है । पर्वतीय क्षेत्र की विशेष समस्याओं और आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यक्रम अपनाये जा रहे हैं । स्थानीय उत्पादन का उचित मल्य एवं विपणन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी । नकदी फसलों, बागवानी, गैर मौसमी सब्जी उत्पादन, दुग्ध विकास, पशुपालन, इलेक्ट्रानिक्स, हस्त शिल्प, खादी और पर्यटन को विकसित करने के लिए समुचित सहायता देकर विशिष्ट कार्यक्रम अपनाये गये है । अन्य फलों के अतिरिक्त इस वर्ष माल्टा फल के लिए मूल्य समर्थन की योजना अपनायी गयी है । शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी विस्तार किया जा रहा है । ग्रामीण क्षेत्र में वनीकरण एवं देखभाल के लिए स्थानीय युवक युवतियों को चयनित कर नये रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेंगे । प्रदेश के विकास में पर्वतीय अंचल के विकास को शीर्ष वरीयता दी जायेगी ।

मेरी सरकार ने न्याय प्रशासन को सुदृढ़ करने हेतु कई कदम उठाये हैं । किराया बेदखली के लम्बित मामलों की सुनवाई हेतु इस वर्ष 4 नये न्यायालयों का सृजन प्रस्तावित है । लोक अदालत के माध्यम से राजकीय कर्मचारियों के सेवा सम्बन्धी मामलों को निस्तारित कराने की व्यवस्था की जा रही है । समाज के निर्धन, निर्बल एवं अक्षम व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी सहायता एवं परामर्श दिये जाने की योजना में प्रगति लायी जा रही है । दीवानी न्यायालयों की वित्तीय अधिकारिता में इस उद्देश्य से बढ़ोत्तरी की गयी है ताकि वादकारी जनता को अपनी अपील या

निगरानी दायर करने के लिए अधिकांश में उच्च न्यायालय न जाना पड़े । इस उपाय से उच्च न्यायालय में भी लम्बित अपीलों और निगरानियों की संख्या में कमी आने की सम्भावना है जिससे अन्य मामलों के निस्तारण में गति आयेगी ।

प्रशासन को स्वच्छ, कार्यकुशल और गतिशील बनाने के लिए अनेक कदम उठाये गये हैं । यह प्रयास है कि अधिकारी कर्मचारी जनता के सेवक के रूप में अपने को देखें । जनता की कठिनाइयों के प्रति संवेदनशीलता के उद्देश्य से प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों को गांव एवं विभिन्न जनपदों में समय-समय पर भेजा गया है । जिला स्तरीय अधिकारी विकास खण्ड स्तर पर बैठकें निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कर रहे हैं । यथा सम्भव जनता की याचिकाओं को मौके पर ही निस्तारित किया जा रहा है । तहसील एवं थानों में तत्परता से कार्यवाही के आदेश दिये गये हैं । कर्मचारियों/अधिकारियों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से पुरस्कार की योजना बनाई गयी है, जिसके अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्यकुशल अधिकारियों/कर्मचारियों को राज्य स्तर पर पुरस्कार एवं सम्मान मिलेगा । यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि भ्रष्टाचार इत्यादि के मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही हो । सार्वजनिक उपक्रमों के अतिरिक्त राज्य विद्युत परिषद् को भी अब सतर्कता विभाग की परिधि में रखा गया है । सभी विभागों एवं सार्वजनिक उपक्रमों में सतर्कता अधिकारी मनोनीत किए गये हैं । राज्य कर्मचारियों के हित के लिए एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण के उद्देश्य से सेवा सम्बन्धी मामलों के निस्तारण हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है ।

लोक आयुक्त संगठन को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है । मुख्य मंत्री के पद को भी लोक आयुक्त के कार्य क्षेत्र में लाए जाने के उद्देश्य से उच्च न्यायालय के साथ पत्र व्यवहार किया गया है एवं अतिशीघ्र ही पूर्व घोषणा के अनुसार व्यवस्था को अन्तिम रूप दिया जायेगा ।

मेरी सरकार आवश्यक वस्तुओं की मूल्य वृद्धि से चिन्तित है । वस्तुओं की उपलब्धता एवं उनके मूल्य को केन्द्रीय सरकार की नीति एवं निर्णय मुख्यतः प्रभावित करते हैं परन्तु राज्य सरकार ने आवश्यक वस्तुओं के वितरण में सुधार लाने के हर सम्भव प्रयत्न किए हैं । इस प्रणाली के नियमित अनुश्रवण की व्यवस्था के अनुसार मण्डलीय सहायक आयुक्तों और राज्य मुख्यालय के अधिकारियों को जिलों में निरीक्षण का कार्य सौंपा गया है । ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ब्लाक वितरण केन्द्रों से निर्धारित सप्ताह के अनुसार दुकानों को सामग्री की पूर्ति की व्यवस्था की गयी है । 'उपभोक्ता अपनी दुकान स्वयं चुनें' योजना सभी जिला मुख्यालयों पर लागू की गयी है । ग्राम सभा स्तर पर दुकानदारों के चयन का प्रस्ताव स्वयं ग्राम सभा द्वारा ही अपनी खुली बैठक में किये जाने की व्यवस्था की गयी है । चीनी मूल्य में वृद्धि को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश आवश्यक वस्तु निगम के माध्यम से 9 रुपये प्रति किलो-ग्राम की दर से आयातित नान लेवी चीनी के खुले बाजार में वितरण की व्यवस्था की जा रही है । वर्तमान परिस्थितियों में पेट्रोल व डीजल का आयात प्रभावित हुआ है, जिसका प्रभाव प्रदेश में भी इन वस्तुओं की उपलब्धता पर पड़ा है । मेरी सरकार इस कठिनाई की स्थिति में इस समस्या के समाधान के लिए उचित व्यवस्था करने का प्रयत्न कर रही है और यह प्रयत्न किया जा रहा है कि प्राथमिकता के क्षेत्रों में पेट्रोल और डीजल के अभाव की स्थिति उत्पन्न न हो । मिट्टी के तेल की वितरण व्यवस्था को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए अनेक कदम उठाये गये हैं । प्रत्येक ब्लाक वितरण केन्द्र पर एक वितरक या होल सेलर की व्यवस्था की गयी है ।

मेरी सरकार का पूरा ध्यान विकास कार्य में लगना था परन्तु प्रदेश में उत्पन्न विशेष परि-स्थितियों के कारण कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने में जिला प्रशासन की व्यस्तता रही है । इस चुनौती में राज्य सरकार के अधिकारी/कर्मचारी और पुलिस कर्मी विशेष रूप से सराहना के पात्र हैं । यद्यपि साम्प्रदायिक दंगों को रोकने में पुलिस प्रशासन व्यस्त रहा फिर भी डकैती एवं अन्य अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, घटनाओं की तफतीश आदि को कुशल ढंग से पूर्ण किया गया । विघटनकारी तत्वों पर सफलतापूर्वक निगरानी रखी गयी और अनेक मुठभेड़ों में ऐसे तत्वों

का सफाया भी हुआ । पुलिस बल को गतिशील एवं प्रभावी बनाने के लिए मेरी सरकार प्रयत्नशील है । मेरी सरकार ऐसे समस्त प्रस्तावों पर सम्यक् रूप से विचार कर रही है जिससे पुलिस संगठन के प्रति समाज के प्रत्येक वर्ग का विश्वास बढ़े । इसी के साथ मेरी सरकार ने पुलिस कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के भत्तों में भी वृद्धि की है ।

लोकतांत्रिक संस्थाओं में आस्था और उन्हें सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप मेरी सरकार ने पंचायतों को सक्रिय भूमिका प्रदान करने की नीति अपनायी है । ग्राम प्रधानों को गांव में विकास कार्यक्रमों के लिये प्रमुख रूप से उत्तरदायी बनाया गया है । उपलब्ध आर्थिक संसाधनों का उपयोग उनके माध्यम से ही कराया जा रहा है । शौचालय निर्माण, पाठशाला भवन निर्माण, गांव में खड़न्जा निर्माण, नाली का निर्माण, परिवार नियोजन इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रधानों के सहयोग एवं देख रेख में चलाये जा रहे हैं ।

राज्य सरकार ने मण्डल आयोग की रिपोर्ट के आधार पर सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों को सामाजिक न्याय देने का निर्णय लिया है । इन वर्गों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है । इसके साथ-साथ सरकार अन्य वर्गों के युवाओं के भविष्य के प्रति भी समान रूप से चिन्तित है । अतः आर्थिक आधार पर अतिरिक्त आरक्षण दिये जाने का भी निर्णय मेरी सरकार ने सिद्धान्ततः ले लिया है । इस हेतु श्री रमाशंकर कौशिक, मंत्री, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में एक कमेटी भी गठित की गयी है ।

एक अन्य समस्या का यहां जिक्र करना जरूरी है, यह प्रदेश के भीतर अन्तर्क्षेत्रीय असमानताओं की है । विशेष उपायों द्वारा प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों के विकास हेतु उत्पादकता और अवस्थापना सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मेरी सरकार प्रयत्नशील है । विशेष रूप से बुन्देलखण्ड, पूर्वी क्षेत्र एवं पर्वतीय क्षेत्र के लिए त्वरित विकास के उपाय ढूंढे जा रहे हैं और बजट में इन्हें प्राथमिकता दी गयी है ।

मेरी सरकार नये रोजगार के अवसर सृजित किए जाने के लिए पूरी तरह से जागरूक है । जहां विकास की दर बढ़ाए जाने का लक्ष्य है वहीं ऐसी अर्थ व्यवस्था लानी है, जिससे कि विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में उत्पादक रोजगार के अवसर पैदा हों । ऐसी योजनाओं को प्रमुखता दी जायेगी जहां युवकों को काम के अवसर मिल सकें और उनकी न्यायोचित आकांक्षाओं की पूर्ति हो । इसके लिए कृषि और ग्रामीण विकास मद में बजट का महत्वपूर्ण अंश आवंटित किया गया है ताकि बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा हों ।

मेरी सरकार वचनबद्ध है कि अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को निभाये । संविधान की मर्यादा एवं निहित आकांक्षाओं की पूर्ति तभी सम्भव होगी, जबकि सभी राजनीतिक दल न्यूनतम कार्यक्रमों को रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए स्वीकार करें, बुनियादी सिद्धान्तों को मान्यता दें एवं अल्प कालीन तात्कालिक लाभ के लिए ऐसे कदम न उठायें जिसके प्रतिकूल प्रभाव दीर्घकालीन प्रकृति के हों एवं जो राष्ट्र के आधारभूत ढांचे को चुनौती दें । पिछले कुछ माह में जिस प्रकार की घटनायें हुई हैं उन पर हर नागरिक को सच्चे दिल से पूछना होगा कि क्या ऐसी घटनायें जनता की भलाई, साम्प्रदायिक सौहार्द, गरीबी में कमी, बेरोजगारी में कमी और भुखमरी को मिटाने के हित में थीं । यदि नहीं तो आम जनता को ऐसे कुप्रयासों के खिलाफ संगठित संघर्ष करना होगा एवं आपसी झगड़े भड़काने की राजनीति को किसी प्रकार का स्थान नहीं देना होगा । यह भी विचारणीय है कि संविधान में वर्तमान संघीय ढांचे में विभिन्न राज्य सरकारों की एक दूसरे के प्रति क्या जिम्मेदारी और भूमिका होनी चाहिए ? ऐसा कोई प्रकरण नहीं हो सकता है कि जहां एक प्रदेश राष्ट्रहित में कदम उठाये और दूसरा प्रदेश ऐसे कदम को अवांछनीय करार दे । यदि मन्दिर-मस्जिद विवाद पर हम धैर्य एवं शान्ति से सोचें, इसे राजनीतिक मामला न बनायें, तो इस सरकार की जो नीति रही है और जो कदम उठाये गये, उससे सभी सहमत होंगे । मेरी सरकार मन्दिर निर्माण के विरुद्ध नहीं है लेकिन जब तक इस

झगड़े का निपटारा अदालत से अथवा आपसी बातचीत से नहीं होता तब तक एकतरफा कदम उठाने की किसी को अनुमति कैसे दी जा सकती है ? लोकतांत्रिक परम्परा में इस प्रकार के विवाद का सद्भाव से ही तय किया जा सकता है, लड़ाई झगड़े से नहीं । यही राष्ट्रहित में भी है । मेरी सरकार को इस विकराल समस्या से अकेले जूझना पड़ा । पिछले वर्ष में राष्ट्रीय एकता परिषद की बैठक में अयोध्या के मसले पर आम सहमति बनायी भी गयी थी, परन्तु इसे कार्यरूप में परिणित किए जाने का निष्ठापूर्वक प्रयास नहीं किया गया । बहुसंख्यकों की भावनाओं को भड़का कर मेरी सरकार को चारों तरफ से घेरा गया । पड़ोसी राज्य से लाखों की तादाद में लोग इस प्रदेश में आ जुटे । प्रशासन के लिए यह एक अनोखा अनुभव था । मुझे इस बात का संतोष है कि ऐसी गम्भीर परिस्थितियों के बावजूद भी जनता के सबल समर्थन से मेरी सरकार ने संविधान की रक्षा करते हुए उसके धर्मनिरपेक्ष ढांचे को बचा लिया । राष्ट्र के संविधान की रक्षा, धर्म-निरपेक्षता, न्यायालय का सम्मान और आपसी सौहार्द की अपनी गौरवशाली परम्परा को बचाये रखने के लिए मेरी सरकार द्वारा पिछले दिनों अयोध्या नगरी में जो कदम उठाये गये, उसके अलावा और कोई विकल्प नहीं था । फिर भी अयोध्या में जो कुछ हुआ और अयोध्या की घटनाओं के पश्चात् कुछ अन्य जनपदों में जो साम्प्रदायिक दंगे हुए उनकी न्यायिक जांच का निर्णय लिया गया है । मेरी सरकार वचनबद्ध है कि संविधान एवं धर्मनिरपेक्षता को हर चुनौती से सुरक्षित रखेगी और वह इसके लिए किसी प्रकार का मूल्य चुकाने को तैयार है ।

माननीय सदस्यगण, मैंने सरकार की प्रमुख नीतियों एवं कतिपय प्रमुख कार्यक्रमों की रूपरेखा संक्षेप में आपके समक्ष प्रस्तुत की है । समाज के अन्य वर्गों जैसे–भूतपूर्व सैनिकों, विद्यार्थी, संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, नन्हें मुन्ने बच्चों आदि के लिए भी महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं । इस सत्र में आपके समक्ष महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत किए जायेंगे जिन्हें पारित करने की आपसे अपेक्षा की जायेगी । विधान मण्डल के गत बजट सत्र के बाद मैंने कुछ अध्यादेश प्रख्यापित किए हैं, जिनको प्रतिस्थापित किए जाने वाले विधेयकों को पारित करने की भी आपसे अपेक्षा की जायेगी ।]

जिन परिस्थितियों से देश और प्रदेश गुजर रहा है एवं जो समस्याएं और चुनौतियां हैं उनका समाधान ढूंढकर प्रदेश को विकास के मार्ग पर अग्रसर करने का गुरुतर भार आपके कन्धों पर है । मुझे आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि आप देश एवं प्रदेश के कल्याण को सर्वोपरि रखते हुए प्रदेश में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने और प्रदेश के विकास में सहयोग प्रदान करेंगे । इन शब्दों के साथ मैं आपको अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए आहूत करता हूं ।

जय हिन्द ।

(श्री शारदा प्रताप शुक्ल, श्री चन्द्रशेखर सिंह (वाराणसी), श्री यदुनाथ सिंह, श्री मोती लाल दहेलवी आदि जनता दल के अधिकांश सदस्य एक साथ नारे लगाते हुए कि "अल्पमत की सरकार को बरखास्त करो," सदन के फ्लोर पर बैठ गये और सदन में घोर व्यवधान होता रहा)

उत्तर प्रदेश सिविल विधि (संशोधन) अध्यादेश, 1990†

(व्यवधान के मध्य)

लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

माननीय, आपकी आज्ञा से मैं उत्तर प्रदेश सिविल विधि (संशोधन) अध्यादेश, 1990 सदन के पटल पर रखता हूं ।

(व्यवधान के मध्य)

नोट–[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया ।

†छापा नहीं गया ।

भूमि अर्जन (उत्तर प्रदेश संशोधन और विधि मान्य करण) अध्यादेश, 1990†

लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, आपकी अनुमति से मैं भूमि अर्जन (उत्तर प्रदेश संशोधन और विधि मान्य करण) अध्यादेश, 1990 को सदन के पटल पर रखता हूं ।

उत्तर प्रदेश सहकारी समिति (संशोधन) अध्यादेश, 1990†

लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, आपकी अनुमति से मैं उत्तर प्रदेश सहकारी समिति (संशोधन) अध्यादेश, 1990 को सदन के पटल पर रखता हूं ।

उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी समिति (अल्पकालिक व्यवस्था) (संशोधन) अध्यादेश, 1990†

लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, आपकी अनुमति से मैं उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी समिति (अल्पकालिक व्यवस्था) (संशोधन) अध्यादेश, 1990 को सदन के पटल पर रखता हूं ।

उत्तर प्रदेश जिला परिषद् (अल्पकालिक व्यवस्था) (तृतीय संशोधन) अध्यादेश, 1990†

लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, आपकी अनुमति से मैं उत्तर प्रदेश जिला परिषद् (अल्पकालिक व्यवस्था) (तृतीय संशोधन) अध्यादेश, 1990 को सदन के पटल पर रखता हूं ।

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियों और पेंशन) (संशोधन) अध्यादेश, 1991†

लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, आपकी अनुमति से मैं उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेन्सन) (संशोधन) अध्यादेश, 1991 को सदन के पटल पर रखता हूं ।

उत्तर प्रदेश सरकारी वाद (अभिवक्तावों का आबंधन) अध्यादेश, 1991†

लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, आपकी अनुमति से मैं उत्तर प्रदेश सरकारी वाद (अभिवक्तावों का आबंधन) अध्यादेश, 1991 को सदन के पटल पर रखता हूं ।

उत्तर प्रदेश देशी शराब लाइसेन्स का व्यवस्थापन (टेण्डर एवं नीलामी) नियमावली (संशोधन) अध्यादेश, 1991†

लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, आपकी अनुमति से मैं उत्तर प्रदेश देशी शराब लाइसेंस का व्यवस्थापन (टेण्डर एवं नीलामी) नियमावली (संशोधन) अध्यादेश, 1991 को सदन के पटल पर रखता हूं ।

(जनता दल के अधिकांश सदस्य सदन के फ्लोर में बैठे-बैठे नारे लगाते रहे जिससे घोर व्यवधान होता रहा)

कार्य मंत्रणा समिति द्वारा समय निर्धारण का प्रस्ताव

(व्यवधान के मध्य)

---

†छापा नहीं गया ।

श्री अध्यक्ष–

मैं कार्य मंत्रणा समिति की सिफारिश को सूचना सदन को दे रहा हूं जिसे पढ़ी हुई मानी जाय । (ठीक है की आवाजें) कार्य मंत्रणा समिति की सिफारिशें पढ़ी हुई मानी गयीं जो इस प्रकार है :–

[उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य मंत्रणा समिति ने अपनी दिनांक 20 जनवरी, 1991 की बैठक में सदन के दिनांक 21 जनवरी, 1991 से दिनांक 3 फरवरी, 1991 तक के उपवेशनों के कार्यक्रम के संबंध में निम्नलिखित सिफारिशें की हैं :–

1–सदन का दिनांक 21 जनवरी, 1991 से दिनांक 3 फरवरी, 1991 तक का तिथिवार कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में निर्धारित किया जाय :–

जनवरी, 1991	
21 सोमवार	12·30 बजे अपराह्न (1) श्री राज्यपाल के अभिभाषण का पढ़कर सुनाया जाना । (2) औपचारिक कार्य तथा अध्यादेशों, अधिसूचनाओं, नियमों आदि का सदन के पटल पर रखा जाना, विधेयकों का पूर:स्थापन, आदि ।
22 मंगलवार	(1) निधन के निर्देश (प्रश्नकाल के उपरान्त) । (2) श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा ।
23 बुधवार	(1) श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (5 बजे अपराह्न तक) । (2) निम्नलिखित विधेयकों पर विचार एवं उनका पारण :– (क) उत्तर प्रदेश ईंट (सम्भरण का विनियमन) विधेयक, 1990, जैसा उत्तर विधान परिषद् द्वारा पारित हुआ–आधा घण्टा । (ख) भ्रष्टाचार निवारण (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 1991–आधा घण्टा ।
24 गुरुवार 25 शुक्रवार	श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा ।
26 शनिवार से 3 फरवरी, 1991 रविवार तक–	बैठक नहीं होगी ।

2–दिनांक 22 जनवरी, 1991 से दिनांक 25 जनवरी, 1991 तक श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नियम 56 के अन्तर्गत सूचनायें न ली जायं और उक्त चार दिनों में नियम 301 की 7 सूचनाओं के स्थान पर 12 सूचनायें प्रतिदिन ग्राह्य की जायं तथा

3–दिनांक 25 जनवरी, 1991 को पड़ने वाले शुक्रवार को असरकारी कार्य न लिया जाय ।]

(घोर व्यवधान के मध्य)

लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश से, जिसकी सूचना आज अभी श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गयी है, यह सदन सहमत है ।

नोट :–[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया ।

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि कार्य मंत्रणा समिति की सिफारिश जिसकी सूचना अभी सदन में दी गयी है और जिस पर माननीय संसदीय कार्य मंत्री ने प्रस्ताव रखा है, से सदन सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ ।)

भ्रष्टाचार निवारण (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 1991†

लोक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से भ्रष्टाचार निवारण (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 1991 को पुर:स्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूं ।

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि भ्रष्टाचार निवारण (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 1991 को पुर:स्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाए ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ ।)

श्री बेनी प्रसाद वर्मा–

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से भ्रष्टाचार निवारण (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 1991 को पुर:स्थापित करता हूं ।

श्री अध्यक्ष–

अब हम उठते हैं और कल 11.00 बजे फिर मिलेंगे ।

(इसके बाद सदन 12 बजकर 36 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गया ।)

भाल चन्द्र गुप्त,
सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश ।

लखनऊ :
21 जनवरी, 1991

---

†दिनांक 23 जनवरी, 1991 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा हुआ है ।

पी०एच०यू०पी०-एल० 520 विधान सभा-(889)-1991-572 ।